Total No. of Questions : 08] **[SET-A]** **[Total No. of Printed Page : 2**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

1MAHIN 1

प्रश्न पत्र– प्रथम

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास-I

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. (अ) कंटक मास कुसुम परगास
भ्रमर विकल नहि पाठए पास (क)।।
रसमति मालति पुनु पुनु देखि
पिवए पाह मधु जीव उपेषि (क) ध्रु.।।
भ्रमरा विकल भ्रमए सब हास
तोह बिनु मालति नहि विसरान।।
ओ मधुजीवी तत्रे मधुरासि
साचि धरसि मधु तत्रे न लजासि।।
अपने मने घनि बुझ अवगाहि
तोहर दुषन वध लागत काहि।।
भनइ विद्यापतीत्यादि।।

(ब) सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावबहार।।
राम नाम लै पटतरै देवे को कुछ नांहि।
क्या ले गुर संतोषिए, हॉस रही मन मांहि।।

(स) पुष्य नखत सिर उपर आवा।
हौ विनु नाह मदिर को छावा।।
यह तन जारौ झारि कै, कहौ कि पवन उड़ाव
मकु तेहि मारग उड़ि परै, कंत चरै जहां पांव।।

Total No. of Questions : 08] **[SET-A]** **[Total No. of Printed Page : 2**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

1MAHIN 1

प्रश्न पत्र– प्रथम

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास-I

Time : 03 Hrs. MM : 70
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. (अ) कंटक मास कुसुम परगास
भ्रमर विकल नहि पाठए पास (क)।।
रसमति मालति पुनु पुनु देखि
पिवए पाह मधु जीव उपेषि (क) ध्रु.।।
भ्रमरा विकल भ्रमए सब हास
तोह बिनु मालति नहि विसरान।।
ओ मधुजीवी तत्रे मधुरासि
साचि धरसि मधु तत्रे न लजासि।।
अपने मने घनि बुझ अवगाहि
तोहर दुषन वध लागत काहि।।
भनइ विद्यापतीत्यादि।।

(ब) सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावबहार।।
राम नाम लै पटतरै देवे को कुछ नांहि।
क्या ले गुर संतोषिए, हॉस रही मन मांहि।।

(स) पुष्य नखत सिर उपर आवा।
हौ विनु नाह मदिर को छावा।।
यह तन जारौ झारि कै, कहौ कि पवन उड़ाव
मकु तेहि मारग उड़ि परै, कंत चरै जहां पांव।।

1

(द) नागमती चितउर – वध हेरा, पिद्व जो गये पुनि कीन्ह न फेरा।
नागर काहु नारि वस परा, वेइ मोर पिड मोनो हरा।
सुआ काल होर लेइगा दीउ, पिउ पिउ नहि जात, जात वरू पीउ।
भयउ नरायन बावन करा, राज करव राजा बलि छरा।

प्र.2. कबीर की भाषा शैली पर एक निबंध लिखिए।

प्र.3. महाकाव्य की दृष्टि से 'पद्मावत' की समीक्षा कीजिए।

प्र.4. संत शब्द का अर्थ बताते हुए संत काव्य की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्र.5. निगुणधारा के प्रमुख रचनाकार के रूप में रैदास के काव्य का वर्णन कीजिए।

प्र.6. हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल का अविभाव किन परिस्थितियों में हुआ? अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र.7. नागमती के वियोगखण्ड के आधार पर नागमती के वियोग श्रृंगार का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

प्र.8. रासो काव्य परम्परा का उल्लेख करते हुए उसमें पृथ्वी राज रासो का स्थान निर्धारित कीजिए।

------x------

(द) नागमती चितउर – वध हेरा, पिद्व जो गये पुनि कीन्ह न फेरा।
नागर काहु नारि वस परा, वेइ मोर पिड मोनो हरा।
सुआ काल होर लेइगा दीउ, पिउ पिउ नहि जात, जात वरू पीउ।
भयउ नरायन बावन करा, राज करव राजा बलि छरा।

प्र.2. कबीर की भाषा शैली पर एक निबंध लिखिए।

प्र.3. महाकाव्य की दृष्टि से 'पद्मावत' की समीक्षा कीजिए।

प्र.4. संत शब्द का अर्थ बताते हुए संत काव्य की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्र.5. निगुणधारा के प्रमुख रचनाकार के रूप में रैदास के काव्य का वर्णन कीजिए।

प्र.6. हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल का अविभाव किन परिस्थितियों में हुआ? अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र.7. नागमती के वियोगखण्ड के आधार पर नागमती के वियोग श्रृंगार का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

प्र.8. रासो काव्य परम्परा का उल्लेख करते हुए उसमें पृथ्वी राज रासो का स्थान निर्धारित कीजिए।

------x------

2